जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जनवरी–मार्च, 2019 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष– 03 अंक – 10

इस अंक में

- अवार्ड/सम्मान
- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की
- गतिविधियाँ
- माह के कार्य

संरक्षक
प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक
डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक
डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल
डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. वाय.एम. शर्मा
डॉ. प्रमोद गुप्ता

निदेशक की कलम से

कृषि क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि के लिये प्रौद्योगिकी हस्तांतरण महत्वपूर्ण है। हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि के कारण खेती पर दबाव बढ़ा है, इस स्थिति में आवश्यकता है कि हमारे किसान भाइयों को खेती के साधनों जैसे–यंत्रीकरण, उन्नत बीज, खाद, नींदानाशक, कीटनाशक, रोगनाशक और सिंचाई एवं उन्नत कृषि यंत्रो संबंधी सूचनायें समय पर मिलें,, बात चाहे मौसम पूर्वानुमानों की हो या कृषि संबंधी उचित सलाह की या फिर कृषि मंडी और कृषि बाजार की जानकारी, हमारे किसान भाई कही–सुनी बातों पर निर्भर न रहें इसके लिये भारत सरकार एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों ने सूचना तंत्र विकसित किया है, वे इसका उपयोग करते हुये घर बैठे खेती किसानी के कार्य को श्रेष्ठ तरीके से कर सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी न केवल तेजी से विस्तार के लिये आवश्यक है, अपितु इसके उपयोग से विभिन्न कृषि कार्यों को आसान तरीके से किया जा सकता है एवं हम कृषि को नई दिशा दे सकते हैं, जिससे देश में अन्न और वैकल्पिक कृषि आधारित उद्योग वानिकी, कृषि व पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, रेशम कीट पालन, लाख एवं सिघाड़ा उत्पादन, सोलर पंप, खाद्य प्रसंस्करण से प्राप्त उत्पादों का उत्पादन बढ़ेगा एवं एग्री बिजनेस से जुड़कर कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी । इसी संदर्भ में कृषक किसान कॉल सेंटर में 1800 180 1551 पर निःशुल्क कृषि समस्या का समाधान कर सकते हैं । इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भारत सरकार का किसान पोर्टल (http://www.icar.org.in) एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की वेबसाइट (http://farmer.org.in) से कृषकों को कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है ।

डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवायें

राष्ट्रीय बैस्ट वूमेन साइंटिस्ट अवार्ड डॉ. गुप्ता को

जेएनकेविवि की प्रथम महिला निदेशक को मिले सम्मान से हर्ष

विश्व स्तर पर कृषि के क्षेत्र में पौध रोग विज्ञान की दूसरी सबसे बड़ी सोसायटी 'इंडियन फाइटो–पैथोलॉजिकल सोसायटी नई दिल्ली' द्वारा संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता, को 'बैस्ट वूमेन साइंटिस्ट' अवार्ड प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर इंडियन फाइटो–पैथोलॉजिकल सोसायटी द्वारा प्रथम बार यह अवार्ड डॉ. ओम गुप्ता को प्राप्त हो रहा है। डॉ. ओम गुप्ता को यह अवार्ड हेतु 2018 में नामांकित किया गया। पूरे राष्ट्र से अनेक पौध रोग वैज्ञानिकों के बीच राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा अनुशंसा की गई। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट पौध रोग वैज्ञानिक के रूप में आपकी पहचान है।

डॉ. ओम गुप्ता कृषि विवि के पौध रोग विभाग की प्रथम छात्रा के रूप में वर्ष 1976 में मास्टर डिग्री एवं 1982 में डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की। कृषि पौध रोग वैज्ञानिक के साथ ही आपने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए 39 वर्षों तक दलहनी फसलों पर शोध कार्य तथा चने की 8 उकठा रोधी एवं मूंग की बुकनी एवं पीला मोजेक अवरोधी किस्मों को विकसित किया। इस कार्य की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई।

एवार्ड / सम्मान

हरदा बैस्ट फार्म अवार्ड

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा में पदस्थ ''प्रभारी प्रक्षेत्र'' कुमारी पुष्पा झारिया को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर की उत्तरोतर उन्नति एवं प्रगति में उल्लेखनीय योगदान एवं समग्र

रूप से उत्कृष्ट कार्य हेतु 26 जनवरी, 2019 में गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय डॉ. पी.के. बिसेन द्वारा सम्मानित किया गया।

महिन्द्रा समृद्धि एग्रो एवार्ड

खेती में तकनीकी उपयोग से कृषि लागत कम करने के क्षेत्र में नरसिंहपुर निवासी रोशन लाल विश्वकर्मा, प्रगतिशील कृषक को महिन्द्रा समृद्धि एग्रो एवार्ड से 18 मार्च, 2019 को दिल्ली में सम्मानित किया गया। जिसमें उन्हें महिन्द्रा ग्रुप द्वारा 2,00,000/– रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया।

वैज्ञानिक श्री मनोज कुमार अहिरवार उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह के वैज्ञानिक श्री मनोज कुमार अहिरवार को उत्कृष्ट कार्य हेतु गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिनांक 26 जनवरी 2019 को डॉ. पी.के. बिसेन, माननीय कुलपति महोदय, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें प्रमाण पत्र एवं रू. 10000/– की राशि प्रदान की गई।

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के प्रमण्डल सदस्यों द्वारा संचार केन्द्र का भ्रमण

दिनांक 23 जनवरी, 2019 को प्रमण्डल सदस्य डॉ. आर.एस. त्रिपाठी, डॉ. नंदलाल इदनानी, श्री अश्विनी सिंह चौहान, डॉ. बकुल लाड द्वारा संचार केन्द्र का भ्रमण किया गया। इस अवसर

पर माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन एवं संचालक विस्तार डॉ. ओम गुप्ता उपस्थित थे ।

अटारी (आई.सी.ए.आर.)में कार्यशाला का आयोजन

28 जनवरी, 2019 को अटारी में Expert Consultation Workshop of Technology Application and impact by KVKs पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चतुर्थ राष्ट्रीय युवा सम्मेलन / संगोष्ठी

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ (आइसा) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 15–16 फरवरी, 2019 को चतुर्थ राष्ट्रीय युवा सम्मेलन / संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कृषि मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव, मध्यप्रदेश शासन, पशुपालन मंत्री माननीय श्री लाखन सिंह यादव, महापौर जबलपुर डॉ. स्वाति सदानंद गोडबोले, विधायक बरगी श्री संजय यादव

उपस्थित थे। राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में राष्ट्रीय आयोजन सचिव एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया । संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में निम्नलिखित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। * Revitalization of Agriculture as Business Industry * Value Chain Management in agro-Commodities * Restructuring and strengthening resources for capacity building and skill development * Strategies for empowering youth for their involvement in establishing agribusiness ventures to create job opportunities * Policy reforms for remunerative agriculture. इस संगोष्ठी में देशभर के 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया ।

संचार केन्द्र का लोकार्पण

दिंनाक 16 फरवरी, 2019 को संचालनालय विस्तार सेवाओं के अंतर्गत संचार केन्द्र (प्रकाशन इकाई) का लोकार्पण माननीय कृषि मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव एवं पशुपालन मंत्री

श्री लाखन यादव के द्वारा किया गया । इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता एवं संचालनालय के सभी वैज्ञानिक उपस्थित थे ।

पोषण संवेदी कृषि हेतु कार्यमाला

दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट में दिनांक 26–27 फरवरी, 2019 को कार्यशाला अटारी एवं जी.आई.जेड. (जर्मन को आपरेशन) प्रोस्वाइल एवं नाइस प्लेट फार्म के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। यह कार्यशाला पोषण संवेदी कृषि अभ्यास (Nutrition Sensitive Agricultural Practices) विषय पर आयोजित की गई। इस अवसर पर पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण (PPVFRA), पोषण संवेदीकरण कृषि एवं मिट्टी परीक्षण पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भागीदारी की।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक कार्ययोजना हेतु कार्यशाला

दिनांक 01–02 मार्च, 2019 कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक कार्ययोजना हेतु कार्यशाला का आयोजन विस्तार संचालनालय में किया गया, इस कार्यशाला में ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने भाग लिया । आगामी वर्ष हेतु कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण किया गया।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी का भ्रमण

दिनांक 14 मार्च, 2019 को डॉ. एस.के. राव, माननीय कुलपति जी द्वारा संचार केन्द्र का भ्रमण किया गया ।

कृषक भ्रमण / प्रशिक्षण

- 9 जनवरी, 2019 को विस्तार संचालनालय में रिलायंस फाउंडेशन पन्ना द्वारा रूलर ट्रांसफार्मेशन के अंतर्गत कालदा, पवई, शाहनगर पन्ना के 17 गाँवों के 80 किसानों ने भ्रमण व प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- 3–5 जनवरी, 2019 को किसान क्लबों का शैक्षणिक भ्रमण

(CAT) परियोजना के अंतर्गत जन उजाला सेवा संस्था, शिवपुरी एवं नावार्ड परियोजना द्वारा वित्तीय पोषित का तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम विस्तार संचालनालय में किया गया।

- दिनांक 23 जनवरी से 2 मार्च 2019 कौशल परिषद (ASCI) नई दिल्ली के वित्तीय सहायता से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत फारेस्ट नर्सरी रेंज़र एवं बाँस उत्पादन पर एक माह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. एस. डी. उपाध्याय एवं नोडल अधिकारी डॉ. श्रीमति अर्चना पाण्डे एवं प्रमुख प्रशिक्षक डॉ. कुन्दन सिंह एवं डॉ. यशपाल सिंह उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण में 42 महिला कृषक एवं कृषकों ने भाग लिया ।

- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर सर्विसेस फार इनपुट डीलर्स (DAESI) दमोह द्वारा दिनांक 08 फरवरी, 2019 को 25 डीलर्स ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में भ्रमण किया।
- दिनांक 23 फरवरी, 2019 को सूरजपुर छत्तीसगढ़ से 50 कृषकों को दल भ्रमण एवं प्रशिक्षण कराया गया।
- 5–6 मार्च, 2019 को इफकों द्वारा 35 कृषकों को विस्तार संचालनालय में प्रशिक्षण दिया गया।
- 25 मार्च, 2019 को अन्नपूर्णा एजुकेशन सोसायटी द्वारा 25 कृषकों का संचालनालय में भ्रमण हुआ।

महिला दिवस

दिनांक 08 मार्च, 2019 को ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर, अटारी (ICAR) एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें महिला चिकित्सक डॉ. अल्का अग्रवाल ने मातृ शिशु पोषण विषय पर व्याख्यान दिया एवं गृहविज्ञान महिला महाविद्यालय की आहार की पोषण विशेषज्ञ डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी ने व्याख्यान दिया। इस

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक, महिला कृषक एवं विश्वविद्यालय की महिला वैज्ञानिकों ने भाग लिया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर डॉ. श्रीमति स्वाति सदानंद गोडबोले एवं अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन ने की। इस अवसर पर संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता ने महिला दिवस पर अपने विचार रखे।

नीति आयोग द्वारा राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

नीति आयोग भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला स्थानीय खाद्य पद्धतियों के द्वारा स्वस्थ भोजन विषय पर सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन

महापात्रा ने कृषि में मोटे अनाजों, सहजन को सम्मिलित करने पर जोर दिया । डॉ. अनुपम मिश्रा, निदेशक, अटारी जोन–9, द्वारा मध्यप्रदेश में प्रारंभ किए गए । **न्यूट्री स्मार्ट विलेज** पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. एल.पी.एस. राजपूत, विभागाध्यक्ष, खाद्य–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा मध्य भारत के विभिन्न जिलों के लिए कार्ययोजना स्थानीय खाद्य पद्धतियों के द्वारा स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देना प्रस्तुत की । कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ध्रुव श्रीवास्तव एवं डॉ. राजेन्द्र सिंह ठाकुर की सक्रिय भागीदारी रही।

नेशनल फर्टीलाइजर प्रशिक्षण

विस्तार संचालनालय में दिनांक 26–27 मार्च, 2019 को दो दिवसीय आवासीय कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषकों को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने खेती को लाभ का धंधा बनाने हेतु कृषि आयामों का उपभोग जिसमें जैविक उर्वरकों का समावेश हो, मिट्टी की मांग के अनुसार करने की सलाह दी । संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता ने कृषकों को कृषि वैज्ञानिक और कृषि विश्वविद्यालय से जुडकर कृषि तकनीक सीखने की सलाह दी। इन दो दिवसों में जबलपुर, कटनी, सिवनी व मण्डला के 100 से अधिक किसानों ने भागीदारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

कौशल विकास हेतु मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय कृषि कौशल परिषद् के द्वारा मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 20–20 प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम उत्पादन और मशरूम से निर्मित होने वाले अन्य व्यवसायिक उत्पाद के विषय में 2 अलग–अलग तकनीकी प्रशिक्षण का 2 बैच में आयोजित किया गया। प्रथम बैच 15 फरवरी से 15 मार्च, 2019 एवं द्वितीय बैच में 19 फरवरी से 19 मार्च 2019। 20 प्रशिक्षार्थी विभिन्न गांवों से शामिल हुए। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत द्वारा प्रशिक्षार्थियों को मशरूम की उपयोगिता एवं उसके महत्व के विषय में जानकारी प्रदान की। कृषि वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति द्वारा **ढींगरी मशरूम के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी और उसमें समस्याओं के निदान एवं सावधानियों** के विषय में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर केन्द्र के अन्य सभी वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दिनांक 08 मार्च 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं एवं छात्राओं को केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

डॉ. आर.एल. राऊत ने संबोधित किया। मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत बड़गांव की महिला सरपंच श्रीमती रीता सिहोरे ने महिलाओं का देश के विकास में योगदान का महत्व बताया।

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम बोट्टे हजारी में दिनांक 09 मार्च 2019 को चना की उन्नत किस्म जे.जी. 14 तथा अलसी की उन्नत किस्म जे.एल.एस. 67 के प्रदर्शन पर ''प्रक्षेत्र दिवस'' का आयोजन संचानालय विस्तार सेवायें, के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशमपायन, केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत की

उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. वैशमपायन ने कृषकों को मार्गदर्शन किया। बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ. एस. आर. धुवारे ने चने एवं अलसी के उत्पादन की जानकारी प्रदान की। केन्द्र के अन्य वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने एवं आय दोगुनी करने के तरीके बताये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

पूर्व रबी सम्मेलन का आयोजन

दिनांक 12 फरवरी 2019 को पूर्व रबी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैतूल के विधायक श्री निलय डागा जी ने दीप प्रज्जवलन के साथ शुभारंभ किया। प्रारंभिक उद्बोधन केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय वर्मा ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए केन्द्र की उपलब्धियों के बारे में बताया। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आर.डी बारपेटे ने रबी फसलों की बीमारियाँ, पहचान के लक्षण एवं नियंत्रण के उपाय बताये। डॉ संजीव वर्मा ने जैविक खेती एवं डॉ. अनिल शिंदे ने पशुपालन विषय पर जानकारी प्रदान की। वैज्ञानिक इंजी. कुमार सोनी ने किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों के बारे में बताया तथा कु. रिया ठाकुर ने किसानों एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया।

रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्र में 20 से 24 फरवरी, 2019 तक ग्रामीण महिलाओं के लिये पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के अंतर्गत

महिलाओं को उद्यानिकी फसलों हेतु नर्सरी प्रबंधन के गुण सिखाए गए। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के द्वारा महिलाओं को नर्सरी प्रबंधन की महत्वत्ता को बताया वहीं पौध उत्पादन को एक अच्छा रोजगार बताया। केन्द्र की वैज्ञानिक कु. रिया ठाकुर ने पांच दिवस में महिलाओं को सब्जी एवं फलों की दिवसीय प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम विस्तार संचालनालय में किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

कृषक प्रक्षेत्र दिवस

दिनाक 3 फरवरी, 2019 को केन्द्र द्वारा रबी वर्ष 2018–19 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत सरसों उत्पादन की उन्नत तकनीक पर कृषक प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन ग्राम पहाड़ी हीराजू जिला एवं

विकासखण्ड छतरपुर में किया गया। संस्था प्रभारी डॉ. राजीव सिंह एवं वैज्ञानिक डॉ. कमलेश अहिरवार एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। उक्त फसल की उन्नत तकनीक में उन्नत प्रजाति आर.एच. 0749 (काला सोना) + 05 कि.ग्रा. पी.एस.वी. + 05 कि.ग्रा के.एस.बी. को 200 कि.ग्रा. सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ प्रयोग कर बुआई की गई है ताकि कृषक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन मंशानुरूप प्रति इकाई लागत कम कर सके और प्रति इकाई उत्पादन अत्यधिक प्राप्त करके लाभान्वित हो सके। उक्त प्रक्षेत्र दिवस में लगभग 95–110 कृषक उपस्थित रहे।

रबी मेला – 2018–19

दिनांक 18 फरवरी, 2019 को केन्द्र में रबी कृषक सम्मेलन के आयोजन में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष श्रीमति सुधा यादव, विशिष्ट अतिथि नगर कांग्रेस अध्यक्ष श्री शिवानंद तिवारी सहित अरविन्द यादव, डॉ. इन्द्रपाल यादव जी एवं केन्द्र के सभी

अधिकारी एवं कर्मचारियों की सहभागिता दी। रबी की फसलों को रोग एवं कीट से बचाने के अलावा कृषि से सम्बंधित खामियाँ दूर करके शासन के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के निर्देशानुसार केन्द्र द्वारा दिनांक 8 मार्च 2019 को केन्द्र एवं ग्राम मतीपुरा, विकासखण्ड बिजावर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. श्रीमति वीणापाणि श्रीवास्तव जी ने कार्यक्रम की थीम Balance for Better पर व्याख्यान दिया, इस कार्यक्रम में 183 महिलाओं ने भाग लिया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाडा

माइक्रो इरीगेशन तकनीशियनों के एक माह का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्र में कौशल परिषद (ASCI) Agriculture Skill Council of India नई दिल्ली के वित्तीय सहायता से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत **''माइक्रो इरीगेशन तकनीशियनों''** के एक माह के रहवासी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 1–28 फरवरी, 2019 से किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख का मार्गदर्शन, डॉ. एस. डी. सावरकर, वैज्ञानिक संरक्षक के रूप में एवं केन्द्र के समस्त वैज्ञानिक गण डॉ. पी. एल. अम्बुलकर, डॉ. डी. सी. श्रीवास्तव, श्री नितेश गुप्ता, डॉ. एस. के. अहिरवार, श्री सुन्दरलाल अलावा एवं श्रीमति चंचल भार्गव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एन. एस. तोमर, उपसंचालक

उद्यानिकी जिला छिंदवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में किया गया । जिले के विभिन्न ग्रामों से 20 प्रशिक्षणार्थीयों के आवेदन आमंत्रित कर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर चयन किया गया। डॉ. आर. के. झाड़े वैज्ञानिक (बागवानी) इस एक महीने के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर रहे।

कृषि वानिकी एवं प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन अनुसंधान एवं कौशल विकास केन्द्र में दिनाँक 19–21 फरवरी, 2019 तक कृषि वानिकी एवं प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आर. के झाड़े (उद्यानिकी) द्वारा छिन्दवाड़ा में वन उद्यानिकी पध्दिति की स्थिति'' विषय पर कृषकों को प्रशिक्षण पदान किया गया एवं डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, केन्द्र प्रमुख द्वारा कृषि वानिकी पद्धति के लाभ एवं छिन्दवाड़ा में संभावनाएं विषय पर

व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यक्रम उष्णकटीबंधीय वन अनुसंधान जबलपुर के तत्वावधान में संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में TFRI के निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। जिले के विभिन्न विकासखण्डों से कृषक प्रशिक्षणार्थियों के रूप में उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

पूर्व रबी अभियान सह कृषक सम्मेलन

दिनांक 08 फरवरी 2018 को केंद्र के प्रांगण में पूर्व रबी अभियान सह कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के लगभग 200 से ज्यादा कृषकों की भागीदारी रही। केन्द्र के प्रभारी डॉ. ए.के. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बी.एल. कुरील, उपसंचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित

कृषकों का स्वागत एवं उनकी कृषिगत समस्याओं का निराकरण केंद्र के वैज्ञानिकों श्री बी.एल. साहू, श्री मनोज कुमार अहिरवार एवं डॉ. राजेश द्विवेदी द्वारा किया गया। साथ ही वैज्ञानिकों द्वारा पोषण स्मार्ट ग्रामों, प्रधानमंत्री कृषि सिचांई योजना एवं उच्च गुणवत्ता का बीज उत्पादन पर परिचर्चा की।

''प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि'' योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण

दिनांक 24 फरवरी 2018 को केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा ''प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि'' योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष माननीय श्री शिवचरण पटैल एवं माननीय श्री मुरारी पटैल, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक की उपस्थिति में लगभग 200 कृषकों की भागीदारी रही। श्री बी.एल. साहू द्वारा किसानों को

पोषण वाटिका एवं मूल्यसंर्वधन की विभिन्न तकनीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक श्री मनोज कुमार अहिरवार द्वारा किया गया। डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी ने उपस्थित कृषकों के फसल संबंधी जानकारी एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डोरी

कौशल विकास प्रशिक्षण

केन्द के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. हरीश दीक्षित के मार्गदर्शन में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के कार्यक्रम अनुसार एवं आंचलिक परियोजना व संचालक विस्तार सेवाऐं के निर्देशानुसार केन्द्र में केंचुआ खाद उत्पादकों हेतु 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में 20 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य युवकों में केंचुआ खाद उत्पादन करने की कुशलता के साथ ही उद्यमशीलता के गुणों को विकसित करना है। प्रशिक्षण समन्वयक श्रीमति गीता सिंह वैज्ञानिक कृषि विस्तार ने आभार व्यक्त करके प्रशिक्षण का समापन किया।

अंगीकृत ग्राम में किसान मेला

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलपति महोदय डॉ. पी.के. बिसेन के मार्गदर्शन में अंगीकृत ग्राम घुण्डीसरई विकासखण्ड शहपुरा में संचालनालय प्रक्षेत्र द्वारा वृहद किसान मेला का आयोजन किया गया। डॉ. आर.एम. साहू अधिष्ठाता, डॉ. शरद तिवारी, संचालक प्रक्षेत्र एवं विभिन्न विभागों वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई एवं किसानों की समस्याओं का निदान किया गया। वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को क्षेत्र की मृदा के अनुरूप

खेती की उन्नत प्रणाली जिसमें समन्वित कृषि प्रणाली, उन्नत किस्मों का उपयोग, पशुधन इकाई, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती के बारे जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों जैसे शस्य विभाग ,मृदा विज्ञान, पौध प्रजनक उद्यानिकी, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र डॉ. ओ.पी. दुबे प्रधान वैज्ञानिक, संचालक विस्तार सेवाऐं, डॉ. ओम गुप्ता के मार्गदर्शन में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. हरीश दीक्षित के द्वारा 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से अपनाई जा रही नवीन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया साथ ही उन्नत कृषि यंत्रों की प्रर्दशनी भी लगायी गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

सीड हब योजनांतर्गत चना बीज उत्पादन

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.सी. शर्मा के मार्गदर्शन में केन्द्र सीड हब योजनांतर्गत दलहन फसल चने का बीज उत्पादन कृषकों के प्रक्षेत्र पर किया गया। वर्ष 2018–19 में केन्द्र द्वारा 989.28 क्विंटल चना बीज किस्म जे.जी.12 एवं जे.जी. 14 का उत्पादन हुआ। डॉ. ए.के. तिवारी, निदेशक दलहन, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय ने दिनांक 01 फरवरी, 2019 को केन्द्र पर भ्रमण किया। सीड हब योजना अंतर्गत निर्मित गोदाम एवं स्थापित संधारण संयंत्र

का भ्रमण कर सीड हब योजना में किये गये कार्यों एवं उत्पादन की सराहना किया। डॉ.संजय वैशम्पायन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, संचालक विस्तार सेवायें द्वारा दिनांक 26 मार्च, 2019 को केन्द्र द्वारा उत्पादित बीज का अवलोकन किया एवं बम्पर बीज उत्पादन की सराहना की।

जिला स्तरीय उद्यानिकी कृषकों का सम्मेलन

22 फरवरी 2019 में ग्राम चारखेड़ा में उद्यानिकी कृषकों का सम्मेलन सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उद्यान प्रदर्शनी में

कृषकों द्वारा जिले में उगाई जा रही फसलों के प्रादर्शों का भी प्रदर्शन बड़ी संख्या में कृषकों के प्रादर्श जैसे अमरूद, संतरा, केला, चुकन्दर, मिर्च, प्याज, मशरूम, गुलाब, गेंदा, बेर, पपीता, फूलगोभी, पत्तागोभी, गॉठगोभी, टमाटर, बैंगन आदि प्रदर्शित किये गये। कृषकों ने अपनी उद्यान संबंधी जिज्ञासाओं को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा समझा एवं उद्यान फसलों की जानकारी

का आदान–प्रदान किया। कार्यक्रम में लगभग 427 कृषकों तथा 25 कृषि अधिकारियों व 6 जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी दी । कार्यक्रम के सफल आयोजन में डा. सर्वेश कुमार, डॉ. संध्या मुरे, कु. जागृति बोरकर, डॉ. ओ.पी. भारती, श्री आर.सी जाटव, कु. पुष्पा झारिया, श्री प्रमोद पड़वार, श्री गणेश सोनी का योगदान रहा। अच्छे प्रादर्श लाने वाले कृषकों को चिन्हित कर प्रशस्ति–पत्र भी वितरीत किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

किसान संगोष्ठी

कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर द्वारा अंगीकृत गांव निभोरा पनागर में दिनांक 4 जनवरी 2019 को किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति जवाहरलाल

नेहरू कृषि विश्व विद्यालय जबलपुर, डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने किसानों को सम्बोधित किया तथा किसानों की आय दोगुना करने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया। केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी जानकारी दी गई। माननीय कुलपति जी द्वारा प्रगतिशील कृषक श्री ब्रीज द्वारा लगाये गये फलदार वृक्षों का भी अवलोकन किया।

किसान संगोष्ठी एवं प्रक्षेत्र दिवस

केन्द्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में दिनांक 26 फरवरी, 2019 को ग्राम सूखा में प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता व विशिष्ठ अतिथि संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. डी.पी. शर्मा ने कृषकों को नवीन तकनीकी अपनाने की सलाह दी। किसानों के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर प्रदर्शित तकनीक का अवलोकन किया। कृषक संगोष्ठी में 150 कृषकों ने भाग लिया। कृषक संगोष्ठी में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. अक्षता तोमर एवं डॉ. नितिन सिंघई का सहयोग रहा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन का सीधा प्रसारण केन्द्र के सभागार में 24 फरवरी, 2019 को आयोजित किया गया जिसमें कुल 165 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लेकर वेबकास्ट के माध्यम से कार्यक्रम को देखा । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

के रूप में पनागर विधायक श्री इंदू तिवारी एवं ग्रामीण अध्यक्ष श्रीमति अल्का गर्ग विशिष्ठ आतिथि के रूप में उपस्थित रहीं । कार्यक्रम की अध्यक्षता संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता द्वारा की गई एवं कृषकों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

जीरोफाइट प्रदर्शन इकाई की स्थापना

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए. के. तोमर, के निर्देशन

में स्पाइनलेस कैक्टस केंद्र के फार्म में प्रदर्शन इकाई के रूप में लगाया गया। स्पाइनलेस कैक्टस की तीन किस्मे रोक्का पोलुमा

लाल, रोक्का पोलुमा पीला और सैंको पीला को लगाया गया है। प्रदर्शन इकाई की स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों को दूध उत्पादन के लिए डेयरी पशु के भोजन में स्पाइनलेस कैक्टस को शामिल करने और मांस की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए बकरी के भोजन में इसे शामिल करने के लिए प्रेरित करना है ।

किसान संगोष्ठी का आयोजन

वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ ए. के. तोमर के निर्देशन में 8 जनवरी, 2019 को किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रबी फसलों के उत्पादन की उत्तम तकनीक, भंडारण तकनीक और एकीकृत कृषि प्रणाली की जागरूकता बढ़ाना था। किसानो को खेती के आलावा अन्य

व्यवसाय जैसे डेरी, मुर्गीपालन, मशरूम उत्पादन आदि के लिए प्रेरित किया गया जो उनकी आय में वृद्धि में सहायक होगा। कार्यक्रम के अंत में, किसानों ने केंद्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाई का भ्रमण किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

हार्डवेयर किट का वितरण कार्यक्रम संपन्न

केन्द्र में माननीय सांसद, एवं माननीय कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, निदेशक जी.आई.जेड. (जर्मन सरकार प्रोजेक्ट), डर्क वाल्थर, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, संयुक्त संचालक डॉ. डी.पी. शर्मा, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मेनेज) हैदराबाद, प्रतिनिधि जी.आई.जेड. (दिल्ली) इंद्र नील घोष, श्री अविनाश आलोक, नवीन होरो, सुमित कश्यप, हिमांशु वर्मा, कृषि महाविद्यालय बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ. उत्तम बिसेन, डॉ. शरद बिसेन, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर. एल. राउत, वैज्ञानिक डॉ. बी.के. प्रजापति, डॉ. इंगले एवं एफ.ई.एस. स्वयंसेवी संस्था प्रमुख ईशान अग्रवाल, जिला प्रबंधक राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक श्री अखिलेष वर्मा, केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम की उपस्थिति में किया गया।

इस कार्यक्रम में हार्डवेयर किट का वितरण मण्डला तथा बालाघाट जिले के 93 प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन समिति के ग्राम सभा द्वारा नामित दो प्रतिनिधियों अध्यक्ष एवं सचिव को किया गया। केन्द्र के वैज्ञानिक ईजी. आर. के. स्वर्णकार, पशुपालन कार्यक्रम सहायक

श्री डी. पी. सिह, श्री आर. एल. कुलस्ते, श्री सौरभ ठाकुर आदि प्रतिनिधियों का उपस्थिति एवं सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया।

औषधीय फसलों की खेती, मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा कृषकों के हितार्थ एक दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 31 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए.एस. गोटिया, विभागाध्यक्ष, पादप कार्यिकी विभाग, ज.ने.कृ.वि.वि. द्वारा अश्वगंधा, सतावर, कालमेघ एवं अन्य औषधीय पौधों की खेती एवं उपयोग के बारे में प्रदर्शन द्वारा विस्तार से समझाया गया । वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी,

द्वारा औषधीय पौधों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण एवं मार्केटिंग के बारे में बताया । डॉ. विभा पाण्डे द्वारा औषधीय पौधों में लगने वाले कीट, बीमारियों के नियंत्रण के बारे में बताया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

17वी वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक विवरण

सत्रहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक वरिष्ठ वैज्ञानिक **डॉ संजय वैशंपायन** की अध्यक्षता में दिनांक 27 मार्च, 2019 को आयोजित की गई । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख **डॉ. के.वी. सहारे** ने केन्द्र की 16वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति में उठाए गये प्रश्नों के सुझाव के बारे में समिति के माननीय सदस्यों को अवगत कराया। वर्ष 2018–19 के प्रदर्शनों के परिणाम से अवगत कराते हुए वर्ष 2019–20 के प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण माननीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विभिन्न विभागों से पधारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने केन्द्र द्वारा

प्रस्तावित कार्यक्रम के विवरणों पर अपने अपने सुझाव दिये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

ज.ने.कृ.वि.वि. के प्रबंध मण्डल सदस्यों द्वारा केन्द्र का भ्रमण

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के मान्नीय प्रबंध मण्डल सदस्यों डॉ. आर.एस. त्रिपाठी, श्री अश्वनी सिंह चौहान एवं संचालक प्रक्षेत्र, डॉ शरद तिवारी द्वारा दिनांक 17 मार्च, 2019 को केन्द्र के प्रक्षेत्र, टेक्नोलॉजी पार्क एवं कार्यालय परिसर का भ्रमण किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी. एस. किरार ने भ्रमण के दौरान प्रक्षेत्र पर प्रजनन बीजोत्पादन तथा केन्द्र द्वारा संचालित कृषि विस्तार गतिविधियों से अवगत कराया गया। जिले में प्रमुख फसलों के उत्पादन बढाने हेतु उन्नतशील किस्मों, जैव उर्वरक एवं पौध संरक्षण के क्षेत्र मे किये गये उल्लेखनीय कार्यो की जानकारी दी गयी। भ्रमण के दौरान डॉ. आर.के. जायसवाल, एन.के. पंद्रे, डी.पी. सिंह एवं रितेश बागोरा साथ मे थे।

विश्वविद्यालय के 12.88 लाख रूपये के जैव उर्वरकों एवं जैविक कीटनाशकों का फैलाव

केन्द्र द्वारा वर्ष 2018–19 मे जैव उर्वरक (राजोबियम, पी.एस. बी., ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास फ्लोरोसिंस) राशि रू. 12,46,980.00 और जैविक कीटनाशक (बिवेरिया बेसियाना) राशि रू. 41,790.00 अर्थात कुल राशि रू. 12,88,770.00 का क्रय कर जिले के कृषकों तक पुहँचाया गया जिससे फसलों

की लागत कम हुयी तथा उत्पादन मे वृद्धि हुयी। वैज्ञानिकों ने उपयोगकर्ता कृषकों से जैव उर्वरक के प्रयोग उपरांत जानकारी लेने पर कृषकों ने बताया कि दलहन गेहूँ और सब्जियों में 10–15 प्रतिशत तक उपज मे बढ़ोत्तरी हुयी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

क्लस्टर प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत कृषि वैज्ञानिकों का कृषि प्रक्षेत्र में सघन भ्रमण

केन्द्र द्वारा रबी 2018–19 में चना (जे.जी.12) एवं अलसी (जे.एल. एस.73) का क्रमशः 20 हे. एवं 30 हे. में प्रदर्शन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन दलहन – तिलहन के अंर्तगत किये गये । कार्यक्रम प्रभारी डा. ब्रजेश कुमार तिवारी (सस्य वैज्ञानिक), डा. अखिलेश कुमार (पौध संरक्षण वैज्ञानिक), डा. स्मिता सिंह (सस्य वैज्ञानिक), डा. के. एस. बघेल (वैज्ञानिक पौध रोग) एवं श्री भीरेन्द्र कुमार

(रिसर्च स्कॉलर) का दल ग्राम – पैपखरा, पड़िया, खोखम, कनौजा, नौढ़िया एवं खुजवा में कृषकों से सीधा संवाद कर प्रदर्शन प्रक्षेत्रों में भ्रमण किया तथा खेतों में कीट, रोग, सिंचाई प्रबंधन की तकनीकों को बारीकी से समझाया।

औषधीय पौधों की खेती पर प्रशिक्षण सम्पन्न

केन्द्र में ज.ने.कृ. विश्वविद्यालय के पौध कार्यिकी विभाग द्वारा औषधीय पौधो की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज.ने.कृ.वि.वि.के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पौध कार्यिकी डा. ए. एस. गौटिया ने रीवा जिले में औषधीय पौधों की खेती की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुये अश्वगंधा, सतावर व कालमेघ की तकनीकी पर जानकारी दी एवं प्रस्तुतीकरण किया। डा. ज्ञानेन्द्र तिवारी वरिष्ठ वैज्ञानिक पौध कार्यकी ने परंपरागत फसलों के अलावा अतिरिक्त आय व उत्पादन के लिये औषधीय पौधों की खेती की महत्ता पर चर्चा की। डा. ए. के. पाण्डेय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा उपयुक्त औषधीय पौधे को जैविक विविधता एवं ग्लोबल

वार्मिंग के दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया । उक्त अवसर पर लगभग 75 अनुसूचित जाति/जनजाति के कृषकों एवं महिलाओ ने भाग लिया। केन्द्र के वैज्ञानिक डा. श्रीमती निर्मला सिंह, डा. श्रीमती राधा सिंह, डॉ. सी. जे. सिंह, डॉ. ए.के. पटेल, डॉ. बी. के. तिवारी, डॉ. राजेश तिवारी, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. किन्जल्क सी. सिंह, डॉ. ओ पी धुर्वे, डॉ. संजय सिंह, डॉ. के. एस. बघेल, डॉ. स्मिता, श्री एम. के. मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

रबी कृषक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 14 फरवरी को केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में रबी कृषि संगोष्ठी सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में रबी मौसम की विभिन्न फसलों में समसामयिक चर्चा के साथ–साथ शहर के नजदीक फूलों की खेती, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, जैविक खाद्य एवं कीटनाशियों का उपयोग, मशरूम उत्पादन, एजोला उत्पादन जानकारी देकर किसानों की शंकाओं का समाधान किया गया। डॉ. के. एस. यादव ने उच्च उद्यानिकी तकनीकों से लोगों को अवगत कराया। डॉ. ए. के. त्रिपाठी ने जैविक कीट व रोगनाशियों के महत्व, प्रकाश प्रपंच, फेरोमेन ट्रेप के उपयोग की सलाह दी। डॉ. एम. पी. दुबे ने रबी

मौसम की फसलों से संबंधित कृषकों की शंकाओं का समाधान किया तथा खड़ी फसल में एन.पी.के. के छिड़काव की सलाह दी। डॉ. विवेकिन पचौरी ने मुर्गी पालन विशेष तौर पर कडकनाथ के बारे में बताया। डॉ. डी. के. प्यासी द्वारा गेहूं व मूंग की खेती पर प्रकाश डाला गया। डॉ. ममता सिंह ने बीजोत्पादन एवं डॉ. वैशाली शर्मा ने सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग, श्री मयंक मेहरा ने टमाटर भॉस, आंवले के विभिन्न उत्पादों के निर्माण पर प्रकाश डाला। केन्द्र के द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से कृषकों को उन्नत तकनीकी को अवगत कराया तथा विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम में जिले कृषि उद्यानिकी विभाग के 28 मैदानी अधिकारियों एवं 200 कृषकों ने भाग लिया।

दलहन प्रशिक्षण सह प्रदर्शनी

दिनांक 03 मार्च 2019 को क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र सागर के तत्वाधान में केन्द्र सागर के सहयोग से रेहली ब्लाक के ग्राम तालमपुर में दलहन प्रशिक्षण सह प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ज.ने.कृ.वि.वि. के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता तथा डॉ. डी.के. पहलवान प्रमुख वैज्ञानिक ने भाग लेकर उपस्थित कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकी के बारे में

अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिले के प्रगतिशील कृषक राकेश यादव को मसूर की उन्नत किस्म जे.एल. 3 का प्रति हेक्टेयर 27.5 क्विंटल उत्पादन प्राप्त करने के लिए शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र देकर पुरूस्कृत किया गया । अतिथियों ने इस अवसर पर उन्नत कृषि प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया।

दलहन अनुसंधान निदेशालय कानपुर के वैज्ञानिकों ने किया भ्रमण

भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के मुलीप परियोजना के समन्वयक डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. शिवकुमार अग्रवाल इकार्डा

तथा डॉ. बी.बी. सिंह पूर्व सहायक महानिदेशक ने दिनांक 03 फरवरी 2019 को केन्द्र तथा फसल संग्रहालय सहित अन्य इकाईयों का भ्रमण किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

किसान हितैषी प्रधानमंत्री योजना का शुभारंभ

भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसान हितैषी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारंभ दिनांक 24 फरवरी 2019 को किया गया। इस महत्वपूर्ण योजना के शुभारंभ में सिवनी जिले के 150 से अधिक कृषक एवं महिला कृषकों की सक्रिय भागीदारी रही।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीया श्रीमति मीना बिसेन, अध्यक्ष जिला पंचायत, सिवनी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ज.ने.कृ. वि.वि. के प्रमंडल सदस्य मान. श्री ओम ठाकुर ने बताया कि इस किसान हितैषी योजना का शुभारंभ हमारे कृषकों को मनोबल व

शक्ति प्रदान करेगा, कृषक कृषि तकनीकी ज्ञान के पुंज केंद्र के कृषि वैज्ञानिकों से जुड़े व लाभ प्राप्त करें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शेखर सिंह बघेल ने अपने विचार रखे। संचालन नोडल अधिकारी डॉ. निखिल सिंह, वैज्ञानिक एवं आभार प्रदर्शन मृदा वैज्ञानिक डॉ. के. के. देशमुख ने किया।

कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन

कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत वर्मीकम्पोस्ट प्रोड्यूसर एवं आर्गेनिक ग्रोअर पर 30 दिवसीय, दो प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में प्रायोगिक तौर पर केंचुआ पालन तकनीक, वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन तकनीक, वर्मीवाश उत्पादन तकनीक एवं केंचुए के कोकून की पहचान आदि तकनीक सिखाई गई। इस प्रशिक्षण के प्रमुख प्रशिक्षक डॉ. के. के. देशमुख थे। आर्गेनिक ग्रोवर के अंतर्गत 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अंतर्गत

जैविक खेती के विभिन्न पहलुओं एवं घटकों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रायोगिक तौर पर जैविक कीटनाशक, जैविक पौध पोषक तत्व आदि बनाने की तकनीक प्रशिक्षणार्थियों को दी गई। इसके प्रमुख प्रशिक्षक डॉ. एन. के. सिंह थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

कौशल विकास प्रशिक्षण

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय कृषि कौशल परिषद् के तहत केन्द्र में **''केंचुआ खाद उत्पादक''** पर 25 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन दिनाँक 4–28 फरवरी, 2019 तक किया गया, जिसमें 20 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंचुआ खाद बनाने की विधि के विभिन्न आयामों पर विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही प्रायोगिक भी कराया गया।

किनोवा उत्पादन पर प्रदर्शन

केन्द्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित आदिवासी उपयोजना कार्यक्रम के तहत '' किनोवा उत्पादन '' पर 21 प्रदर्शन

ग्राम खेतौली, मड़वा, अरझुला में डाले गये। दिनाँक 07 मार्च, 2019 को ग्राम अरझुला में कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का आयोजन

केन्द्र में दिनांक 24 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गोरखपुर उ.प्र. में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

का शुभारंभ किया गया जिसका सीधा प्रसारण कृषकों के समक्ष किया गया। कार्यक्रम में 288 कृषको, कृषक महिलाओं, विभिन्न विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मौजूद थे।

फल एवं सब्जी परिरक्षण पर रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा दिनांक 24 जनवरी से 4 फरवरी 2019 तक 12 दिवसीय फल एवं सब्जी परिरक्षण पर व्यवसायिक प्रशिक्षण श्री महेन्द्र सिंह बघेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में डा.

अलका सिंह वैज्ञानिक द्वारा दिया गया प्रशिक्षण के दौरान महिलाओ को संतरे का स्क्वैश, अमरूद की जैम–जैली, ऑवले का मुरब्बा, ऑवले का लड्डू, पपीते की वर्फी, टमाटर का केचप आदि का कौशल प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण में स्वसहायता समूह की 35 महिलाओं ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

रबी किसान मेला सह प्रदर्शनी

केन्द द्वारा 02 फरवरी 2019 को कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र सिंगरौली के प्रांगण में सीधी लोकसभा सदस्य माननीय श्रीमती रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य एवं सिंगरौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रामलल्लू बैस की अध्यक्षता तथा विधायक देवसर श्री सुभाष वर्मा के विशिष्ठ आतिथ्य में रबी किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

जिसमें जिले में कुल 256 महिला एवं पुरुष कृषकों के साथ 25 विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता दी।

प्रथम वैज्ञानिक परामर्श दात्री समिति बैठक

दिनॉक 29 मार्च 2019 को केन्द्र की प्रथम वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें विस्तार सेवाएं जबलपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ.टी.आर. शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में एवं विश्वविद्यालय के प्रमण्डल सदस्य श्रीमती आशा अरुण यादव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। उपसंचालक कृषि एवं पशुपालन एवं चिकित्सा सेवाएं सहित विभिन्न कृषि सम्बन्धित विभागों के कार्यालय प्रमुख ने बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान जिले के जलवायु गत परिस्थितियों के अनुरुप केन्द्र की आगामी कार्य योजना पर चर्चा के साथ विगत वर्षों की उपलब्धियों का भी विश्लेषण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

जिला स्तरीय किसान मेला सम्पन्न

केंद्र द्वारा जिला स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 28 फरवरी 2019 को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वीरेन्द्र कुमार माननीय सांसद एवं राज्य मंत्री महिला बाल विकास एवं अल्प संख्यक विभाग के द्वारा नए बीजों एवं तकनीकों का प्रयोग के साथ ही जल संरक्षण के विषय पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. पी. के. बिसेन

माननीय कुलपति ने कृषकों को जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित प्रजातियों जैसे गेंहू, चना, मसूर, उड़द, तिल, मूंग, सोयाबीन साथ ही गेंहू की तीन सिंचाई वाली प्रजातियाँ भी हैं जिनका उपयोग कर कृषक अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि श्रीमती डॉ. ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें के द्वारा खरीफ एवं रबी फसलों में लगने वाली बीमारियाँ एवं उनके नियंत्रण हेतु कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गयी। डॉ. ए. के. सरावगी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय के द्वारा बीजों कि ग्रेडिंग एवं भण्डारण हेतु विस्तृत जानकारी दी गयी। डॉ. एस. के. सिंह ने सब्जियों की उन्नतशील खेती एवं प्रबंधन, डॉ. आर. के. प्रजापति ने केंद्र द्वारा संचालित परियोजनायों, डॉ. एस. के. खरे ने दुग्ध उत्पादन एवं पशुओं में नस्ल सुधार, श्री सुभाष डे प्रबंधक नाबार्ड ने जिले के 5 विकास खण्डों से कुल 1100 कृषकों सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री की बैठक

केंद्र के द्वारा दिनांक 28 मार्च 2019 को 22वीं वैज्ञानिक परामर्शदात्री की बैठक का आयोजिन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें, जबलपुर रही और अध्यक्षता डॉ. ए. के. सरावगी,

अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आर. के. प्रजापति के द्वारा केंद्र का रबी 2018–19 का प्रतिवेदन एवं खरीफ 2019 की कार्य योजना,

केंद्र द्वारा संचालित योजनायों का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्य अतिथि महोदया के द्वारा संशोधन हेतु सलाह भी दी गयी। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस. के. खरे, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. आई. डी. सिंह उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

आदिवासी उपपरियोजना अंतर्गत बीज उत्पादन कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण सह प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा 28 फरवरी एवं 9 मार्च 2019 को आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत गेहूं, चना एवं मटर पर बीज उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम सह प्रयोग दिवस का आयोजन ग्राम घोघरी एवं सरसवाही में किया गया, डॉ आर. एस. शुक्ला प्राध्यापक एवं विभाग प्रमुख तथा डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक, पौध प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग के द्वारा गेहूं, चना एवं मटर बीज उत्पादन एवं उनकी सस्य क्रियाओं के तकनीकी ज्ञान पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के. पी.

तिवारी द्वारा केन्द्र की संचालित प्रमुख गतिविधियों के बारे में कृषको को तकनीकी जानकारी दी । वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ नम्रता जैन ने ग्राम सरसवाही में आदिवासी कृषकों को गेहूं उत्पादन की प्रमुख सस्य क्रियाओं की जानकारी दी । उक्त कार्यक्रम में घोघरी में 135 कृषकों तथा सरसवाही में 55 कृषकों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम सहायक डॉ कृष्ण कुमार राणा एवं कृषक मित्र अनुराग शुक्ला का भी तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किनोवा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा 8 मार्च 2019 को भारत सरकार एवं अटारी जोन 9 के निर्देशन में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किनोवा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन ग्राम निपनिया में किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.पी. तिवारी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाईयाँ देते हुए किनोवा फसल पर विस्तृत तकनीकी

जानकारी उपस्थित कृषकों को दी । कार्यक्रम में 77 कृषकों के साथ 64 महिला कृषकों ने भाग लिया साथ ही केन्द्र में कार्यक्रम सहायक डॉ. कृष्ण कुमार राणा, आशा एनजीओ एवं ओरियंटल पेपर मिल अमलाई के पदाधिकारियों का भी तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ। केन्द्र में कृषक महिलायें एवं कृषकों की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि प्रणाली परियोजना की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ नम्रता जैन ने कृषि में महिलाओं की महती भूमिका पर प्रकाश डाला।

मई माह के कृषि कार्य

फसल उत्पादन

- ग्रीष्मकालीन मूँग, उड़द व सूरजमुखी फसल में सिंचाई करें।
- ग्रीष्मकालीन की सभी फसलों में आवश्यकतानुसार पौध संरक्षण के उपाय अपनाऐं ।
- गन्ने की फसल में सिंचाई करें, खरपतवार निकालें एवं नत्रजन उर्वरक दें।
- ग्रीष्मकालीन हरे चारे की फसलों (ज्वार, मक्का व लोबिया) में 10–12 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें तथा ज्वार और मक्का में नत्रजन उर्वरक दें ।
- खाली खेतों में गर्मी की जुताई करें ।
- धान की नर्सरी लगाने हेतु खेत की तैयारी करें ।
- ग्रीष्मकालीन मूँग व उड़द में पकी फलियों की समय पर तुड़ाई करें, ताकि फलियों के चटकने से नुकसान न हो।
- एस.पी.आई. हेतु पैकेट में तूअर की बोनी करें ।

उद्यानिकी

- छोटे फलदार पौधों को लू से बचाने के लिए टटिया बॉधे ।
- छोटे फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें ।
- बेर में कटाई–छटाई करें तथा कलिकायन द्वारा बेर के पौधे तैयार करें ।
- फलदार पोधे लगाने हेतु निश्चित दूरी गड्ढ़ों की खुदाई करें।
- टमाटर, बैंगन, मिर्च में सिंचाई तथा नत्रजन उर्वरक का प्रयोग करें।
- खरीफ प्याज हेतु नर्सरी तैयार करें ।
- सिंचाई की सुविधा होने पर अदरक व हल्दी की बोनी 15 मई तक कर दें तथा बोनी के बाद हल्की सिंचाई एवं मल्चिंग करें ।
- सब्जियों में कीट व रोग की रोकथाम करें ।
- गेंदा व गैलार्डिया की नर्सरी तैयार करें व रोपित पौध में नत्रजन की शेष आधी मात्रा टॉप ड्रेस करें ।

पशुपालन

- एन्थेक्स रोग, गलघोंटू व लंगड़ी बुखार का टीका लगायें ।
- कृमिनाशक दवाई पिलायें ।
- ज्वार, मक्का एवं लोबिया हरे चारे हेतु लगायें ।
- पशुओं में बाह्य परजीवियों से बचाव हेतु दवा का उपयोग करें।
- प्रोटीन की कमी को दूर करने हेतु दूधारू पशुओं को यूरिया से उपचारित चारा खिलायें।

अन्य

- घरेलू स्तर पर तैयार बीजों की अकुंरण क्षमता की जॉच करें । पचहत्तर प्रतिशत से कम अंकुरण होने पर प्रति एकड़ की मात्रा बढ़ा कर बोनी करें ।
- आम की कैरी को उबाल कर पना बनाये । यह पना ''लू'' से बचाव में उपयोगी होता है ।

विशेषः

सावधानी एवं सुरक्षा प्रबंध

फॉल आर्मी वर्म का प्रकोप विगत खरीफ मौसम 2018 में मध्यप्रदेश के अनेक मक्का उत्पादक जिलों को प्रभावित कर चुका है। अतः किसान भाईयों के लिए यह आवश्यक होगा कि फॉल आर्मी वर्म प्रकोप की गंभीरता को समझें, जानें एवं प्रबंधन के उपाय सुचारू रूप से करके इस कीट के प्रकोप का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकें।

- ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करके शंखी अवस्था को नष्ट करें।
- समय पर बुआई करें। मानसून वर्षा के साथ ही बुआई करें, विलंब ना करें।
- अनुशंसित पौध अंतरण पर बुआई करें।
- संतुलित उर्वरकों का अनुशंसित मात्रा में, विशेषकर नत्रजन की मात्रा का प्रयोग अधिक ना करें।
- जिन क्षेत्रों में खरीफ की मक्का ली जाती है उन क्षेत्रों में ग्रीष्म कालीन मक्का ना लें तथा अनुशंसित फसल चक्र अपनाऐं।
- अन्तवर्ती फसल के रूप में दलहनी फसल मूंग, उडद लगाऐं।
- प्रारंभिक अवस्था में लकड़ी का बुरादा, राख एवं बारीक रेत पौधे की पोंगली में डालें।
- जैविक कीटनाशक के रूप में बी टी 1 किग्रा. प्रति हेक्टर अथवा बिवेरिया बेसियाना 1.5 लीटर प्रति हेक्टर का छिड़काव सुबह अथवा शाम के समय करें।
- लगभग 5 प्रतिशत प्रकोप होने पर रासायनिक कीटनाशक के रूप में फ्लबेन्डामाइट 20 डब्ल्यू डी जी 250 ग्राम प्रति हेक्टर या स्पाइनोसेड 45 ईसी, 200–250 ग्राम प्रति हेक्टर या इथीफेनप्रॉक्स 10 ईसी 1 लीटर प्रति हेक्टर या एमिमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस.जी. का 200 ग्राम प्रति हेक्टर में कीट प्रकोप की स्थिति अनुसार 15–20 दिन के अंतराल पर 2 से 3 बार छिड़काव करें अथवा कार्बोक्यूरॉन 3 जी 2–3 किग्रा प्रति हेक्टर का उपयोग करें। प्रथम छिड़काव बुआई के बाद 15 दिन की अवधि में अवश्य करें।
- दानेदार कीटनाशकों का उपयोग पौधे की पोंगली में (5 से 7 दाने प्रति पोंगली) करें।

बुक–पोस्ट
मुद्रित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

ज.ने. कृषि वि.वि., जबलपुर

Website: www.jnkvv.org
e-mail:desjnau@rediffmail.com
des@jnkvv.org
Phone: 0761-2681710

मुद्रक : संचार केन्द्र, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर
फोन : 0761-4045384, ई-मेल : sanchar.jnkvv@gmail.com

प्रति, _____

_____

_____